इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रबन्धन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.एम. एण्ड एफ.पी.)

Post Graduate Diploma in Electronic Media Management and Film Production (PGDEM & FP)

पाठ्यक्रम कोड एवं विवरण

Year	Paper No.	Course Code	Title of the Course / पाठ्यक्रम का शीर्षक	Credits
One Year Course	532	PGDEM&FP-01	Media: Concepts and Principles मीडियाः अवधारणा एवं सिद्धान्त	8
	533	PGDEM&FP-02	Film: Introduction, Principles and History फिल्म : परिचय सिद्धान्त एवं इतिहास	8
	534	PGDEM&FP-03	Film Production फिल्म प्रोडक्शन	8
	535	PGDEM&FP-04	Film Management फिल्म प्रबन्धन	8
	25021	PGDEM&FP-05	फिल्म एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया Film & Electronic Media	8
Total Credits				**40**

इलेक्ट्रानिक मीडिया प्रबन्धन एवं फिल्म प्रोडक्शन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी.जी.डी.ई.एम. एण्ड एफ.पी.)

Post Graduate Diploma in Electronic Media Management and Film Production (PGDEM & FP

PGDEM&FP -01

मीडियाः अवधारणा एवं सिद्धान्त

खण्ड – 1

ईकाई–1 **संचार एवं जनसंचार माध्यम –,** व्युतपति एवं अर्थ, परिभाषा, तत्व एवं प्रकृति, प्रकार एवं उपयोगिता ।जनसंचार – परिभाषाएँ माध्यम, जनसंचार एवं अन्य विज्ञान – अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, मनोविज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्साविज्ञान । जनसंचार एवं ग्रामीण विकास ।

ईकाई–2 संचार के मॉडल एवं सिद्धांत – संचार के मॉडल – एरिस्टाटल, कैनेथ बुक, लासबेल, लीगन्स वेसली और मेकेलियना। संचार के सिद्धांत –मानक बुलेट, खेल, षड़यन्त्र, निर्भरता, द्विस्तरीय, कार्य सूची आधरित, गतिणीय।

ईकाई–3 मौखिक माध्यम – मीडिया के विविध रूप – पारम्परिक, मुद्रित आधुनिक मौखिक माध्यम –बातचीत, कथेपकथन, वार्तालाप, भाषण।

ईकाई–4 पारम्परिक माध्यम स्वरूप – शास्त्रीय संगीत, लोकसंगीत, नाटक, धार्मिक नाटक लोकनाटक, लोककलाएं एवं कठपुतली। सार्थक संप्रेषण और पारम्परिक माध्यम, प्रांसगिता, संचारक्रांति।

ईकाई–5 मुद्रित माध्यम समाचार पत्रजगत – समाचार पत्र की परिभाषा, विशेषता, पत्रों के प्रकार, कर्तव्य आदर्श, स्वामित्व– एकता, साझेदारी, मिश्रित पूँजीवादी, ट्रस्ट, समितियाँ तथा संस्थाएँ, सम्प्रति स्थिति।

खण्ड – 2

ईकाई–1 भारत में इलेक्ट्रानिक मीडिया– अर्थ, अवधारणा, उपोयिगता। रेडियो –परिचय, विकास आकाशवाणी संगठन, महत्व टेलीविजन – परिचय, मानवापयोगी भूमिका केबल टी0वी0 महत्व, सिनेमा – परिचय, विकास प्रकार, लाभ

ईकाई–2 प्रेषण मॉडुलेशन, ट्रान्जिस्टर बदलाव, स्टुडियो प्रणाली, कार्यकम और स्टुडियो, विशिष्टता, रीवर्बसन, बोले हुए शब्द, एक स्टुडियो अनेककाम प्रसारण, नियनत्रणकक्ष।

ईकाई–3 ट्रान्समीटर – ट्रान्समीटर केन्द्र, काल, रेडियो प्रोपेगेसन, वी0एच0एफ0 सिग्नल प्रणाली, ट्रान्जिस्टर, एम्पलीफिकेशन, प्रासरण काउन्ट डाउन, ब्राडकास्टिंग।

ईकाई–4 माइक्रोफोन – सिद्धांत, प्रकार : ओमनी , यूनी डायरेक्शनल, कास्टीऑड माइक, विभिन्न नमूने – निर्देशक माइक के मूविंग क्वायल, लैपल, उपकरण सजीव प्रसारण की प्रक्रिया, स्टुडियो का ध्वनियंत्र

ईकाई–5 जनमाध्यम का जनमानस पर प्रभाव – जनमाध्यम, आयाम, संचार, सिनेमा का प्रभाव, वीडियो, केबिल टी0वी0 और संचार प्रोद्यौगिकी का प्रभाव, मूल्यांकन चैनलों के लाभ, हानि , सत्यापित सूचनाओं की प्राप्ति, नई प्रसारण नीति और भारतीय प्रसारण व्यवस्था।

खण्ड – 3 रेडियो

ईकाई–1 रेडियो– आवाज के आयाम, रेडियो का व्यक्तिव, तत्व चित्त और चरित्र, लक्ष्य, एफ0 एम0 सेवा, रेडियो के कार्यक्रम , समाचार, आकाशवाणी,रेडियो संगठन चार्ट, कल्याणी योजना, तकनीकी, इलेक्ट्रानिक , रेडियो और प्रिंन्ट नीतिगत अपेक्षायें, रेडियो, समाज और समाचार ।

ईकाई–2 रेडियो समाचार– अनुवाद की समस्या, वाक्य रचना, मुहावरों का प्रयोग, समाचार लेखन के गुण, प्रसारण शब्दावली।

ईकाई–3 विश्व रेडियो की विकास यात्रा– प्रसारण का मूलभूत विश्लेषण, रेडियो का आरम्भ, विश्व में सर्वप्रथम ब्राडकास्ट, प्रसारण पर नियंत्रण , रेडियो की उपादेयता, स्वर्णिम युग, स्तरीय मीटर, रेडियो यूनाइटेड किंगडम में ।

ईकाई–4 भारत में रेडियो – 1974 में , आज की स्थिति विकास यात्रा, विविध भारती , राष्ट्रीय चैनल, विदेश सेवा, रेडियो समाचार का उद्भव एवं विकास

ईकाई–5 रेडियो की वर्तमान स्थिति – राष्ट्रीय नेटवर्क प्रसारण, एफ0 एम0 का विकास, स्टीरियो फोनिक, भारत में एफ0 एम0, घुमावदार पोलराइजेशन, एफ0 एम0 चैनलों के नये दावेदार, प्रश्नचिहन, समाचार और करेन्ट अफेयर्स, विश्व में रेडियो उद्योग की स्थिति।

खण्ड – 4 टेलीविजन

ईकाई–1 टी0वी0– परिचय, स्वरूप सिद्धांत अविष्कार एवं पद्धति, रंगीन टी0वी0, प्रसारण, विभिन्न कार्यक्रम, कार्यक्रम की संरचना, चैनल, दूरदर्शन चैनल, जी0टी0वी0, आजतक, सोनी मनोरंजन टी0वी0, स्टार टी0वी0।

ईकाई–2 दूरदर्शन–क्षेत्रीय चैनल, प्रसारण समय, आउट पुट मील के पत्थड़, एसियाड कट, 1993–94 का दौर राष्ट्रीय कार्यक्रम डी0डी0 भारती, डी0डी0 प्रेसण योजना।

ईकाई–3 टी0वी0 लेखन– उद्देश्य, प्रकार : समाचार, विज्ञान स्क्रीनप्ले व स्क्रिप्ट, स्क्रिप्ट ब्रडडाउन, संवाद, स्टोरीबोर्डिग लेखन के मुख्य तत्व, आकड़ा, रेखाचित्र तथा ग्राफ तैयार करना।

ईकाई– 4और 5 – टी0वी0 प्रोडक्शनः तकनीक एवं कार्य, टी0वी0 प्रोडक्शन के रूप तन्त, आउटडोर इनडोर, कार्य, ध्वनि एवं प्रकाश व्यवस्था, कमांड एवं क्यू, प्रयुक्त प्रमुख उपकरण।

खण्ड –5

सूचना प्रोद्यौगिकी

ईकाई–1 नई सूचना प्रोद्यौगिकी कम्प्यूटर – नेटवर्क, साइबर स्पेस, टेमनेट, वर्ल्ड वेब, टेली टैक्स एवं वीडियो टैक्स्ट, टेलीकाफ्रेस्ट, गेटवे फैकेटसिविचिंग, मोडम, प्रकाशीय संचार, लेजर संचार, राष्ट्रीय संचार,राष्ट्रीय सूचना केन्द्र नेटवर्क, इंडोनेट इण्टरनेट : ई –मेल, ई –चैन, ई–कामर्स, ई– बिजनेस,

बी–कामर्स, ई प्रशासन, कन्वर्जेन्स, डिजिटल कानून, मल्टीमीडिया, सूचना प्रोद्यौगिकी के क्षेत्र में भारतीय पहलू, मीडियालैब, एशिया, ई लर्निंग डिजिटल हस्ताक्षर, सूचना प्रोद्यौगिकी अधिनियम 2000, विद्यावाहिनी व ज्ञानवाहिनी कार्यक्रम आमजनता हेतु सूचना प्रोद्यौगिकी

ईकाई–2 कम्प्यूटर– अर्थ एवं विशेषता, अंग, प्रकार, विकास यात्रा, उपभोग : शिक्षा, विज्ञान एवं

प्रोद्यौगिकी, चिकित्सा, कानून व्यवस्था, वाणिज्य अन्य, कम्प्यूटरः भाषा, वायरस, रखरखाव, कम्प्यूटर और कॅरियर।

ईकाई– 3 इन्टरनेट– अर्थ अवधारणा, इतिहास और विकास, सम्पर्क, साइट, इन्टरनेट सेवाएंः

इलेक्ट्रानिक मेल, फाइल स्थानान्तर , व्यवस्था इन्टरनेट चैट, वर्ल्ड वाइड वेब एवं आच्छादित सेवाएं : सर्च इंजन, इन्टरनेट टेलीफोन्यी, ई –कामर्स, ई मनोरंजन, ई एजुकेशन, ई खेल – कूद और ई खिलौने, इन्टरनेट और उद्योग जगत , पहचान और आधिकारिता , इन्टरनेट और भविष्य की दिशाऐं ।

ईकाई– 4 केबिल टेलीविजन : अवधारणा शुरूआत और विकास, हर कक्षः मीडिया का केन्द्र। चैनल : दूरदर्शन निजी नेटवर्क के उपग्रहीय चैनल, प्रमुख निजी प्रसारण नेटवर्क, विशेषीकरण के आधार पर उपलब्ध चैनलों की प्रसारण व्यवस्थाः सेटे लाइट केबिल से स्थानीय डी0टी0एच0, केबिल टी0वी0 पत्रकारिता के विविध आयाम : समाचार प्रस्तुतीकरण, समीक्षा , विश्लेषण, साक्षात्कार, वीडियो पत्रकारिता, केबिल टेलीविजन के विमर्श, सांस्कृतिक– सामाजिक सम्बन्ध भूमण्डलीयकरण का संवाहक, केबिल और और केबिल चैलन– लाभ हानि।

ईकाई–5 संचार प्रोद्यौगिकी– अर्थ अवधारणा, उपकरण, मल्टीमीडिया, मल्टीमीडिया घटक, उपयोगिता, संचार प्रोद्यौगिकी का आधार, उपग्रह संचार अर्थ एवं विकास साइबर स्पेस , साइबर कैफे, संचार प्रोद्यौगिकी और भावी पीढ़ी

PGDEM&FP -02

फिल्म परिचय एवं इतिहास

खण्ड – 1 फिल्म का परिचय

ईकाई–1 फोटो पत्रकारिता : परिभाषा,लाभ, आकर्षण, फोटोग्राफी कला के प्रकार, फोटो पत्रकारिता का इतिहास सभ्यता, फोटो पत्रकारः गुण , खोजी पत्रकारिता और फोटो पत्रकार।

ईकाई–2 फिल्म पत्रकारिता के आयाम– न्यूजरील, समाचार वृतान्त, समाचार– दूरदर्शन समाचार, फिल्म प्रक्रम, 16 एम0एम0 गेज, फिल्म पत्रकारिता संगठन, तुलनात्मक अध्ययन, स्टींगर समाचार विवरण पत्रिका, डोपशीट नमूना, डाक्यूमेन्ट्री, ड्रामा, नाटकीय तत्व का विवेचन।

ईकाई–3 फिल्मः संक्षिप्त परिचय– इतिहास, चर्चित फिल्में, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम , फिल्म समारोह, राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, फिल्म संगीत, फिल्म समीक्षा, साक्षात्कार।

ईकाई–4 डाक्यूमेन्ट्री : अस्तित्व, मूवी, स्वरूप, फिल्म विश्लेषण, डाक्यूमेन्ट्री निर्माण प्रकिया, बजट, प्रस्ताव का प्रारूप सहमति अनुबन्ध, महत्वपूर्ण डाक्यूमेन्ट्री।

ईकाई–5 करेन्ट अफेयर्स कार्यक्रम – चर्चित मामले, उपादेयता, कार्यक्रम निर्माण प्रक्रिया, यूनिट का गठन, शूटिंग और पश्चात्, उपभोक्ताओं की मनोवृति में परिवर्तन– पटकथा, प्रश्नावली, वक्तव्य आलेख।

खण्ड – 2 फिल्म का परिचय एवं इतिहास

ईकाई–1 और 2 सिनेमा और समाज– समाज : परिभाषा, स्वरूप, सिनेमा, समाज और राजनीति, हिन्दी सिनेमा का समाजशास्त्र, सिनेमा– समग्र चेतना का सशक्त माध्यम, सिनेमा और जीवन और जीवन का सहसम्बन्ध ।

ईकाई–3 और 4 सिनेमा और साहित्य – सिनेमा क्या है , साहित्यः स्वरूप, अर्थ , साहित्य और समाज का अर्न्तसम्बन्ध, साहित्य का प्रयोजन – अर्थ, पौर्वात्य दृष्टि, पाश्चात्य दृष्टि, साहित्य के प्रयोजन में सिनेमा की सार्थकता, साहित्य और सिनेमा के सम्बन्ध, सिनेमा में साहित्य

ईकाई–5 हिन्दी फिल्मों का यथार्थवाद –यथार्थवाद, हिन्दी सिनेमा में यथार्थवाद का प्रवेश, कथनाक की मॉग और अश्लीलता, हिन्दी फिल्मों में वर्गहित की अवधारणा–आजादी पूर्व, आजादी बाद की फिल्में, यथार्थवादी फिल्मों में इतिहास का हस्तक्षेप, अभिजात्य संस्कृति और यथार्थवादी फिल्में, हिन्दी फिल्मों में आदर्शवाद और यथार्थवाद।

खण्ड – 3 फिल्म और तत्कालीन संदर्भ

ईकाई–1 सिनेमा और इतिहास– अर्थ एवं स्वरूप इतिहास– दर्शन की रूपरेखा : भारतीय दृष्टिकोण सिनेमा का इतिहास– दर्शन, लोक मानस , लोकमानस और ऐतिहासिक पात्र, प्रेम और शौर्य विषयक ऐतिहासिक कथानाक, इतिहास के फिल्मांकन की प्रक्रिया में व्यावहारिक कठिनाइयाँ।

ईकाई–2 सिनेमा की वास्तविकता, स्वरूप, कलात्मक फिल्मों के सन्दर्भ में सिनेमा का व्यवसाय, व्यावसायिक सिनेमा में बदलाव।

ईकाई–3 सिनेमा की विविधता– प्रयोगवादी, कहानी प्रधान हालीवुड अमेरिका का सिनेमा, हालीवुड उदय यूरोप का सिनेमा, साइज फिल्म साइज में विविधता, सुरक्षित फिल्म, 28 एम0एम0 ग्रामोफोन रिकार्ड दूसरे प्रारूप, सिंक (9.5)] 16 एम0एम0, 17.5 मिमी, 8 एम0एम0, बूटलेस सुपर 8 और सूपर 16।

ईकाई– 4 एवं 5 फिल्म फोटोग्राफी– क्यों, कैसे, उपकरण, प्रकाश व्यवस्था, डे – फार नाइट शूटिंग कैमरामैन की समस्यायें, फोटोग्राफी के विविध पहलू, लाइटिंग प्रक्रिया कमरे की बनावट।

खण्ड – 4 फिल्म का इतिहास–

ईकाई–1 सिनेमा और इतिहास 1920 से पूर्व का इतिहास, सिनेमा की खोज में आवश्यक तत्व, 1824, 1832, 1834, 1877, 19 वी सदी के अन्त में हुए प्रयोग, सिनेमा का जन्म, प्रथम स्टूडियो ब्लैक मारिय, ल्यमिन्ट बन्धु प्रेक्षक मशीन में उत्तरोत्तर सुधार, पहला स्थायी मूवीयियों जार्ज में लीज, फ्रांसीसी सिनेमा के जादूगर पोर्टर की क्रान्तिकारी फिल्म '' फादर आफ द स्टोरी ।

ईकाई– 2 फिल्मों की यात्रा – फिल्म का जन्म, मूकयूग और विस्त्र की फिल्में, ध्वनि का उद्योग पर प्रभाव, 1940 युद्ध और बाद का प्रभाव, 1950 का युग हिट फिल्में और वी0सी0आर0।

ईकाई– 3 फिल्म विकास की महत्वपूर्ण बातें– फिल्में : प्रयोगवादी, कहानी प्रधान, प्रशंसनीय हालीवुड, अमेरिका का सिनेमा, यूरोप का सिनेमा, साइज फिल्म साइज में विविधता, सुरक्षित फिल्म, 28 एम0एम0 ग्रामोफोन रिकार्ड दूसरे प्रारूप, न्यूफन्सिग 16 एम0एम0, 17.5 एम0एम0, 8 एम0एम0, बूटलेस सुपर और सूपर 9।

खण्ड – 5 फिल्म का इतिहास– भारत

ईकाई–1 भारतीय सिनेमा, इतिहास, क्षेत्रीय फिल्में, स्वर्णयुग सिनेमा से पूर्व यथार्थवादी दौर, प्रादेशिक भाषाओं में फिल्में, सिनेमा से पूर्वकाल दादा साहब फाल्के, भारतीय सिनेमा का बोलना, कोलकत्ता फिल्म उद्योग, दक्षिण भारतीय सिनेमा, सुनहरा दशक, बालीवुड।

ईकाई– 2 एवं 3 पाकिस्तान एवं बंगलादेश – पाकिस्तान उद्योग की स्थापना, लाहौर के फिल्मी सफर में एक और मोड़ 1960, 1980, 1990 के दशक , भविष्य बंगला फिल्म संसार, 1980, 1990 में दशक, सिनेमा घर विशिष्टयाँ, बंगलादेश फिल्म इतिहास, सुकुमारी का एक दृश्य, ध्रव में – नजसल, असिया की एक झलक ।

ईकाई– 4 एवं 5 वालीवुड एवं अन्य – फिल्मों के गाने पर्दे के पीछे, गायक द्वारा अंकित नमूना, पटकथा, संवादगीत, वित्तपोषण , उपग्रह टी0वी0, इन्छरनेट, 1960 का दशक, विवाद, बालीवुड, पुरस्कार, हालीवुड, हालीवुड बनाम बालीवुड, फिल्म रचना विभाजन

PGDEM&FP -0 3

फिल्म प्रोडक्शन

खण्ड – 1 पटकथा

ईकाई–1 कथावस्तु : कथा साहित्य और उसके तत्व, कथावस्तु, पात्र एवं चरित्र चित्रण का स्वरूप,

कथोपकथ्न, संवाद देश काल, भाषा, कहानी में नीति, उपन्यास और नाटक, उपन्यास और इतिहास, उपन्यास और कथा कहानी। उपन्यास और वर्गीकरण (चरित्र प्रधान, नाटकीय या घटना) उपन्यास की विभिन्न प्रवृत्तियाँ और उनके भेद।

ईकाई–2 **टुकड़ों में बँटी जिन्दगी–** कथासार (खन्न से एक आवाज ,दीपा कहती है उसका मूड अब

बिगड़ चुका है । उसे अब घुटन के डिब्बे में, वह तेजी से बाहर निकल जाता है, सात वर्षों की दूरी ,वह फाइल खोल कर पढ़ने लगता है, वह आँखें खोल देता है, वह कलम बंद करके जेब में रख लेता है, दुःख कही और उसे असह दुःख की अनुभूति घेर लेती है।)

ईकाई–3 संवाद लेखन– समस्या, कहानी के चुनाव की, पटकथा लेखन, संवाद लेखन की प्रक्रिया :

भाग (1) एवं (2) संवाद और फिल्म की संवाद की भूमिका दृश्य की भावनात्मक फिल्मों में हास्य व्यंग्य।

ईकाई–4 सीरियल निर्माण की प्रक्रिया – गीतकार एवं लेखक से अनुमति पत्र, अनुबंध पत्र, सीन –पात्र चार्ट ,पटकथा प्रारूप, कथासार (स्टोरी लाइन) स्टोरी बोर्ड

ईकाई–5 सीरियल का एक उदाहरण– दृश्य परिचय एवं उनके भाग, कट टू फ्लैश बैक

खण्ड – 2 कैमरा एवं शूटिंग

ईकाई–1 मूवी कैमरा का विकास एवं फिल्म निर्माण– मूवी कैमरा का विकास, प्रकार, कैमरे का सिद्धांत, कैमरे की संरचना, लेन्स बैक और फ्रन्ट प्रोजेक्शन मास्किंग, ट्रिक फोटोग्राफी, पानी में शूटिंग, टेकी कलर और थ्रीडी फिल्म, फिल्म निर्माण।

ईकाई–2 **थ्रिल, ऐक्शन, विशिष्ट दृश्य– फिल्मांकन–** रोमांचक दृश्यों का फिल्मांकन, थ्रिल फिल्मांकन में

कैमरे का प्रयोग, फिल्मांकन तकनीक, खतरनाक दृश्य फन्टासी, एवं दुघटनाओं का फिल्मांकन, जल नम एवं नम में शूटिंग व्यवस्था।

खण्ड –3 फिल्म प्रोडक्शन

ईकाई–1 एवं 2 – फिल्म प्रोडक्शन–फिल्म निर्माण एंव निर्माता की भूमिका, शूटिंग व्यवस्था, प्री प्रोडक्शन यूनिट, आउटडोर शूटिंग, फिल्म निर्माण का निवारण, प्रोडक्शन यूनिट के सदस्य।

ईकाई–3 छायांकन के आयाम – शॉट (छायांकन) के क्षेत्र एवं सावधानियाँ, कैमरामैन, रोमांचक दृश्य,

फाईट एवं गीतों का फिल्मांकन।

ईकाई–4 दृश्य व संवाद –चरित्र चित्रण, दृश्य की परिकल्पना, दृश्य में आडटडोर या इनडोर, पात्रों का उल्लेख, विशेष दृश्य का उल्लेख, दृश्य का विवरण, शॉट बाई शॉट टेक्नीक, कथा का शॉट्स में विभाजन, शाट्स में संवाद का उल्लेख पटकथा तथा कलाकार, पटकथा टेक्नीशियन, डाक्यूमेंट्री, लेखन, टॉक शो आदि विविध कार्यक्रमों का लेखन।

ईकाई–5 विशिष्ट शूटिंग– थ्रिल फिल्मांकन में कैमरे का प्रयोग, फिल्मांकन तकनीक, थ्रिल में स्टंटमैन का प्रयोग, कटे अंग का फिल्मांकन, स्टंटमैन एवं एक्शन डायरक्टर, प्रतीकों का प्रयोग।

खण्ड –4 निर्देशन

ईकाई–1 एवं 2 – फिल्म निर्देशन– फिल्म निर्देशन का अर्थ, प्रक्रिया एवं तत्व, फिल्म मुहूर्त, निर्देशक की भूमिका, फिल्म निर्देशक की पद्धतियॉ, शॉटस की समस्या।

ईकाई–3 गीत – संगीत और वेश भूषा– ध्वनि आलेखन, संगीत का प्रभाव, गीत का फिल्मांकन, कला निर्देशन, नृत्यों का निर्देशक, मेकअप, वेशभूषा।

ईकाई 3 फिल्म निर्देशक– फिल्म निर्देशक का कार्य, विशेषताएँ, महत्व, सहायक फिल्म निर्देशक, भारत में फिल्म निर्देशक।

इकाई– 5 फिल्म संगीत तथा नृत्य – फिल्म संगीत निर्देशन, संगीत निर्देशक, पार्श्व गायन, फिल्में एवं नृत्य, फिल्म संगीत एवं सम्भावना युक्त क्षेत्र, संगीतज्ञ का वादक कलाकार, संगठन तथा स्थिति फिल्म पार्श्वगायन (गायक, गायिकाएं एवं कोरस गायन) फिल्म नृत्य निर्देशन, नृत्य निर्देशक, सहायक निर्देशक, नर्तक–नर्तकियाँ, संगीत तथा नृत्य का महत्व।

खण्ड– 5 अभिनय

इकाई–1 अभिनय कला– अभिनय : अर्थ एवं विस्तार, अभिलेख हेतु अनिवार्यताएं, अभिनय कला, स्टेज तथा फिल्मों का अन्तर्सम्बन्ध।

इकाई–2 फिल्म अभिनेता के विविध रूप – फिल्म अभिनय : विविधि पक्ष (नायक, नायिका, सह–अनिनेता, सहअभिनेत्री, खलनायक, खलनायिका, चरित्र कलाकार, हास्य कलाकार, स्टण्ट कलाकार, एक्स्ट्रा कलाकार)

इकाई– 3 अभिनय वैविघ्य – अभिनय के प्रकार (आंगिक अभिनय, दृष्टि अभिनय, हस्ताभिनय , वाचिक अभिनय, आहायर्थाभिनय, कारण और खण्ड, उर, : कर्म)।

PGDEM&FP - 04

खण्ड–1 फिल्म प्रबन्धन

इकाई– 1 एवं 2 फिल्म निर्माण में धन की भूमिका, वित्त प्रबन्धन, फिल्म बनाने के लिए, धन की व्यवस्था, फिल्मों का प्रचार, फिल्म का बजट–एक दो।

इकाई– 3 तकनीक – ट्रिक सीन ऐसे लिये जाते हैं, प्रक्रिया रिवर्स शाट और सुपर इम्पोज की हाईस्पीड तकनीक, डमी और निमिएचर, ऐसे फिलमाते हैं जीम शॉट, विशालकाय पात्रों का फिल्मांकन दैत्य पात्रों की शूटिंग प्रक्रिया, कुतुहल दृश्यों का फिल्मांकन बैक फ्रन्ट प्रोजेक्शन प्रक्रिया, क्या होती है। मास्किंग।

इकाई– 4 शूटिंग एवं फिल्मांकन – ऐसे होती है समुद्र में शूटिंग, मिनिएचर शूटिंग, फिल्मांकन दुर्घटनाओं का , फिल्मांकन फान्तासी का ट्रिकसीन का फिल्मांकन, आप्टिकल प्रिन्टिग की तकनीक, ब्लोअप प्रक्रिया कैसे बनती है कार्टून फिल्में, टाइटल्स का फिल्मांकन, टाइटल्स फिल्माने के कुछ और तथ्य, ऐसे फिलमाई जाती है होली, कुछ ट्रिक सीनों का फिल्मांकन, फिल्मांकन खौफनाक दृश्यों का रोमांचक दृश्यों का फिल्मांकन, जल–नभ में शूटिंग व्यवस्था।

इकाई– 6 फिल्म निर्माण – कला, स्टण्ड, प्रचार–प्रसार तथा लोकेशन– फिल्म निर्माण : अन्य योगदानकर्ता , कला निर्देशन : (कला निदेशक कार्य), स्टण्ड निर्देशन – (स्टण्ड निर्देशक, कार्य), जनसंपर्क तथा प्रचार, लोकेशन प्रबन्धन फिल्म निर्माण की अन्य विधाओं का महत्व।

इकाई–7–8 फिल्म सम्पादन – सम्पादन की प्रक्रिया, फिल्म सम्पादन की शुरूआत, साउण्ड और पिक्चर मैचिंग, लीली क्या होती है, फिल्म सम्पादन के लिए एडिटिंग टेबल, मार्किंग, ज्वाइंट की प्रक्रिया, इन्सरसन का प्रयोग, इन्सरसन जोड़ने की तकनीक, ध्वनि चढ़ाना, एडिटिंग टेबल पर बनती है फिल्में, फिल्म की लम्बाई और सम्पादन का दायित्व फिल्म में कथा की प्रासंगिकता, संपादन की मूसीबत ही मूसीबत।

इकाई– 9 संपादन के आधार – सम्पादन के आधारभूत तत्व, स्टोरी बोर्ड शॉट्स की तारतम्सय, शॉट्य लिस्ट, व्यवस्था कह संगीत, सम्पादन हिदायत , अच्छे सम्पादन के लिए , सम्पादन के कार्य।

इकाई– 10 रिकार्डिंग एवं डबिंग – साउण्ड रिकार्डिंग : (साउण्ड रिकार्डिस्ट), फिल्म की डबिंग, री–रिकार्डिंग, फिल्म संपादन : (फिल्म सम्पादक, प्रक्रिया, प्रयुक्त उपकरण) प्रोडक्शन कण्ट्रोलर।

इकाई– 11 फिल्म निर्माण तकनीकी – I फिल्म छायाकार : (ऑपरेटिव केमरामैन, सह छायाकार, छायाकार : संगठन तथा स्थिति), विशेष प्रभाव विशेषज्ञ, मेकअप तथा मैकअप मैन, वस्त्र सज्जाकार, केश सज्जाकार।

इकाई– 12 फिल्म तकनीकी – II फोटोग्राफी, त्रिआयामी चित्रण : (तीसरे आयाम का तकनीकी रहस्य), त्रिआयामी कैमरा, मूवी कैमरा, डिजिटल तकनीक, एनीमेशन।

इकाई– 13 संकट–मोचन – पात्र परिचय, साफ सुथरी कालोनी, सुमन बालों को पोंछते हुए एक गली में मकान, बीमार माँ बाहर से घंटी बजती है, सीक्वेन्स दो – समुन भट्टाचार्य के कमरे में।

इकाई– 14 सम्पादन प्रासंगिकता – पटकथाओं के घपले और सम्पादन, पटकथाओं में घपले,

प्रासंगिकता हटने पर, प्रासंगिकता क्या है, प्रासंगिकता कैसे बदलती है, टेम्पो और मोन्टाज, फ्लेशबैक तकनीक, फ्लैश फारवर्ड और ड्रीम सीकवेन्स तकनीक, मानसिक कुठाएं और उसका फिल्मांकन, फाइटो का सम्पादन कक्ष, ऐक्शन का सम्पादन, नृत्यगीत का सम्पादन।

इकाई– 15 फिल्म संस्थाएँ – फिल्म सेंसर बोर्ड, सेंसर, प्रचार सामग्री, सेन्सर बोर्ड का संगठन, सेन्सर

बोर्ड का प्रमाण पत्र, भारतीय राष्ट्रीय फिल्म अभिलेखागार, फिल्म समारोह निदेशालय फील्ड पब्लिसिटी निदेशालय (क्षेत्र प्रचार निदेशालय) फिल्म्स डिवीजन, फिल्म प्रभाग, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम।

इकाई– 16 फिल्म प्रशिक्षण संस्थाएं – भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, पुणे, प्रशासनिक संरचना,

निर्माण सुविधाएं, शैक्षिक निर्देशन, फिल्म छायांकन, श्रव्यांकन, सम्पादन, सम्प्यूटर प्रयोगशाला, पुस्तक फिल्म तथा वीडियो लाइब्रेरी, संकाय अल्वावधि पाठ्यक्रम, पाठ्यक्रम संरचना, वर्ष के लिए प्रवेश पात्र प्रवेश, प्रक्रिया, सामान्य, अनुदेश प्रवेश परीक्षा, सत्यजीत रे फिल्म और टेलीविजन संस्थान, प्रबन्धन एवं सांगठनिक ढांचर, निर्देशन, चलिचत्र फोटोग्राफी और सम्पादन, फिल्मलाइब्रेरी, शैक्षणिक।

इकाई– 17 फिल शिक्षण– प्रशिक्षण व्यवस्था – सिने कलाकार संगठन : (स्टण्ट्स आर्टिस्ट संगठन),

कला निर्देशक संगठन, सिने लेखक संगठन, फिल्म निर्देशक संघ, संगीत निर्देशक संगठन, फिल्म इंस्टीट्यूट : प्रशिक्षण की व्यवस्था, अन्य इंस्टीट्यूट तथा पाठ्यक्रम।

इकाई– 18 फिल्म सेंसर – रिलीज प्रिन्टों की प्रक्रिया सेंसर के क्रियाकलाप, सेंसर बोर्ड के

क्रियाकलाप, फिल्म सेंसर करने की प्रक्रियाएं, फिल्म सेंसर करने की स्थितियाँ, फिल्म सेंसर का एक पक्ष यह भी , सेंसर संहिता और उसकी प्रक्रिया, फिल्म प्रदर्शन के लिए तैयार।

इकाई– 19 भारत में फिल्मों से सम्बन्धित संगठन – फिल्मी संगठन : (केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड,

भारतीय राष्ट्रय फिल्म अभिलेखागार, फिल्ग प्रभाग, लोक सेवा संचार परिषद् कानूरी प्रावधान, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम , फिल्म समारोह निदेशालय, सेंसर बोर्ड) नई डिजिटल प्रणाली और सिनेमा।

इकाई– 20 पोस्ट प्रोडक्शन – टाइटल्स का फिल्मांकन; टाइटल फिल्माने के कुछ तथ्य, फिल्मों में

आवाज कैसे भरते हैं ध्वनि मुद्रण की स्वतंत्र व्यवस्था, पार्श्व गायकी का विकास, ध्वनि मुद्रण की व्यवस्था, फिल्म सम्पादन की प्रक्रिया, फिल्म सम्पादन – कक्ष कैसा हो, के उपकरण, अन्य उपकरण, कुछ और तथ्य।

इकाई– 21 फिल्म का मायाजाल – पब्लिक सर्विस ब्राडकास्टिंग, सृजनशील, अल्लाम इकबाल,

सेटेलाइट स्त्री, बड़ा पर्दा, छोटा पर्दा, मीडिया का मायाजाल, जय यात्रा, विज्ञापन, भूमंडलीकरण, उदारीकरण तथा बाजार और उपभोक्तावाद, जयशंकर प्रसाद, डी.टी.एच, स्वायत्ता, एफ.एम. रेडियो, लोक सेवा प्रसारण।

इकाई– 22 सिनेमा वैविध्य – फिल्म लेखन : एक परिचय, कहानी, पटकथा, संवाद, गीत फिल्म की

भाषा, संवाद – दृश्य संयोजन।

इकाई– 23–24 उत्तर प्रदेश फिल्म नीति उत्तर प्रदेश फिल्म विकास परिषद– उत्तर प्रदेश फिल्म

नीति (संशोधित) 2001, रणनीति, परिभाषा, अवस्थापन, फिल्मों का प्रदर्शन, मनोरंजन–कर में कमी, बहु–सामुच्य (मल्टीप्लेक्सेज) बंद छविगृहां को पुर्नजीवित करना, वर्तमान छविग्रहों का उच्चीकरण,

नए छविगृहों की स्थापना भूमि, कैप्टिल विद्युत उत्पादन, छविगृहों को उद्योग का दर्जा, वैधानिक संशोधन, उपकरण, शूटिंग स्थलों का विकास, कलाकारों तथा तकनीशियनों का प्रशिक्षण, फिल्म इकाइयों के लिए आवासीय सुविधा, सरकारी हवाई पटियों का प्रयोग, फिल्मों का वित्त–पोषण, वित्तीय प्रोत्साहन, क्षेत्रीय फिल्में, प्रशासनिक सुविधाएं, फिल्मों का प्रचार–प्रसार, उत्तर प्रदेश फिल्म नीति के महत्वपूर्ण बिन्दु।

PGDEM&FP -05
फिल्म एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया

इकाई –1 मास मीडिया का विवरण – मास मीडिया की आधार भूत अवधारणा, मास मीडिया के प्रकार, प्रिन्ट मीडिया, भारत में समाचार पत्र का अवतरण,

इकाई– 2 इलेक्ट्रानिक मीडिया – इलेक्ट्रानिक मीडिया, अर्थ, स्वरूप, प्रकार, रेडियो के आयाम, टेलीविजन की गतिमय यात्रा।

इकाई– 3 फिल्म एवं हिन्दी पत्रकारिता – विश्व सिनेमा का संक्षिप्त इतिहास, भारत में सिनेमा का आरंभ और विकास : भारत में सिनेमा का आरम्भ , सिनेमा की शुरूआत : मूक सिनेमा का दौर, सिनेमा का सवाकयुग, स्वतंत्रता के बाद हिन्दी सिनेमा, समायांतर सिनेमा या कला सिनेमा, फिल्म पत्रकारिता : (उद्भव समाचार या रिपोर्टिंग, साक्षात्कार, फिल्म समीक्षा, फीचर और लेख), जनमाध्यम के रूप में फिल्म : फिल्मों (चलचित्रों) के प्रकार, फिल्म और टेलीविजन), हिन्दी सिनेमा : विश्लेषण और मूल्यांकन।

इकाई– 4 फोटो पत्रकारिता – फोटो पत्रकारिता – (परिभाषा, फोटो पत्रकारिता से लाभ, फोटो पत्रकाातिर का इतिहास, फोटो पत्रकार : (फोटो पत्रकार के गुण, खोजी पत्रकारिता और फोटो पत्रकार), फोटो पत्रकारिता और भाषा, फोटो पत्रकारिता एक चुनौती।

इकाई– 5 फिल्म पत्रकारिता का स्वरूप – फिल्म पत्रकारिता : (फिल्म पत्रकारिता क्या है? फिल्म पत्रकारिता की परिभाषा, फिल्म पत्रकारिता का स्वरूप) फिल्मों के प्रकार, फिल्म पत्रकारिता की विशेषताएँ, फिल्म का यथार्थवादी रूप डाक्यूमेन्ट्री (वृत्तचित्र) फिल्म (समाज सुधार और फिल्म, संस्कृत और फिल्म, नारी जागरण तथा भारतीय फिल्म)।

इकाई– 6 फिल्म पत्रकारिता – फिल्म समीक्षा : समाचार प्रस्तुतीकरण – फिल्म पत्रकारिता (फिल्मी स्तम्भ का महत्व का लाभ) फिल्म समीक्षा समाचार प्रस्तुतीकरण : समाचार संपादन, समाचारों का चयन विभिन्न स्रोतों से प्राप्त समाचारों का संपादन, फोटो सम्पादन, कार्टून सम्पादन।

इकाई– 7 भारत में फिल्मों सम्बन्धित संगठन – फिल्म संगठन : केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड भारतीय फिल्म अभिलेखागार, फिल्म प्रभाग लोक सेवा संचार परिषद, कानूनी प्रावधान, राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम, फिल्म समारोह निदेशालय, सेंसर बोर्ड) नई डिजीटल प्रणाली और सिनेमा।

इकाई– 8 रेडियो समाचार : उद्देश्य एवं संरचना – समाचार का उद्देश्य, श्रोता खबर और सरकार, समाचार और पत्रकारिता , कुछ सम्मतियाँ, समाचार संरचना दायित्व, स्रोत, समाचार समितियाँ, समाचार संरचना दायित्व, स्रोत , समाचार समितियाँ, विश्व में रेडियों समाचार का उद्भव एवं विकास, प्रेस सम्बन्धी , कानून वेब रेडियो।

इकाई– 9 रेडियो समाचार लेखन – इलेक्ट्रानिक मीडिया समाचार लेखन, रेडियो समाचार की भाषा , शब्दों का जादू, विविध प्रयोग, अर्थ का जाल।

इकाई– 10 भारत में रेडियो – भारत में रेडियो, 1947 में रेडियो, आज की स्थित, भारत में रेडियो की विकास यात्रा विविध भारती, राष्ट्रीय चैनल, विदेश सेवा (एक्स टर्नल सेवा), रेडियो समाचार।

इकाई– 11 विश्व रेडियो की उत्पत्ति एवं विकास – प्रसारण का मूलभूत विश्लेषण, रेडियो का आरम्भ , विश्व के सर्वप्रथम बाडकास्ट, प्रसारण पर नियंत्रण , रेडियो की उपादेयता, रेडियो का स्वर्णिम युग, स्तरीय मीटर, रेडियो यूनाइटेउ किंगडम में ।

इकाई– 12 रेडियो की वर्तमान स्थिति – राष्ट्रीय नेटवर्क, प्रसारण, नेटवर्क , एफ0एम0 का

विकास, फ्रिक्वेन्सीमाडुलेशन, स्टीरियौनिक एफ0 एम0, एफ0एम0 स्टीरियो, भारत में एफ0एम0, वर्तमान स्थिति, एफ0एम0 चैनलों के नये दावेदार, कुछ मूक प्रश्न, प्रश्न चिन्ह, समाचार और करेंट एफेयर्स, विश्व में रेडियो उद्योग की स्थिति ।

इकाई– 13 टी0वी0 परिचय, स्वरूप सिद्धान्त – टेलीविजन परिचय, आविष्कार एवं पद्धति रंगीन टेलीविजन, टेलीविजन प्रसारण, टेलीविजन के विभिन्न कार्यक्रम टी0वी0 कार्यक्रम की संरचना, टी0वी0 कार्यक्रम की संरचना , टी0वी0 चैनल, दूरदर्शन के चैनल, जी0टी0वी0 आजतक, सोनी मनोरंजन टी0वी0 भारत, स्टार टी0वी0।

इकाई– 14 दूरदर्शन – दूरदर्शन, क्षेत्रीय चैनल, प्रसारण समय आउटपुट, मील के एशियाड–

81,1993,–94 का दौर, राष्ट्रीय कार्यक्रम , डी0डी0 भारत डी0 डी0 1, दूरदर्शन की त्रिस्तरीय सेवा।

इकाई– 15 विश्व में टी0वी0 की विकास यात्रा – जी0 नेटवर्क केबिल एवं केबल टी0वी0 कुछ प्रमुख निजी प्रसारण नेटवर्क, सेटेलाइट टी0वी0 प्रसारण, चैनलों की लोक प्रियता, चैनलों के लाभ, टेलीविजन की गतिमय यात्रा, टेलीविजन का स्वर्ण युग, उपग्रह और केबिल टी0वी0 खबरें टी0वी0 का तुरन्त रिप्ले, डिजिटल टी0वी0।

इकाई– 16 ई–जर्नलिज्म और आधुनिक संचार प्रौद्योगिकी – ई–जर्नलिज्म का क्षेत्र, टी0वी0 पत्रकारिता, रेडियो पत्रकारिता, साइबर पत्रकारिता, अन्य इलेक्ट्रानिक समाचार सेवाएं, ई–जर्नलिज्म और आधुनिक संचार प्रौद्योगिकी, डिजिट एवं कन्वरेजेंस प्रौद्योगिकी।

इकाई– 17 कम्प्यूटर – कम्प्यूटर की विशेषताएं, उपयोगतिगा : (लेखन और कम्प्यूटर, जिस्ट टेक्नोलाजी), कम्प्यूट के महत्वपूर्ण अंग, डेस्क टॉप पब्लिशिंग, कम्प्यूटर की विकास यात्रा वायस कम्प्यूटर , कम्प्यूटर की भाषा, मोडम, मल्टी मीडिया : (मल्टी मीडिया के उपयोग , क्षेत्र , कन्वरजेन्स)।

इकाई– 18 इन्टरनेट : अर्थ एवं संरचना – इंटरनेट इ–नेटवर्किंग इंटरनेट का इतिहास एवं विकास : (इतिहास और विकास, भारत में इंटरनेट), उपलब्ध सेवाएं।

इकाई– 19 साइबर पत्रकारिता – साइबर अर्थ एवं भारतीय संदर्भ , साइबर पत्रकारिता की इतिहास, पत्रकारिता इंटरनेट की ओर, वेबसाइट का निर्माण, कुछ महत्वपूर्ण वेबसाइट।